आज समाज 05/02/2026

अम्बाला द्वारा कॉलेज में फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आज समाज नेटवर्क

अंबाला कैंट। आज कृषि विज्ञानं केंद्र, अम्बाला द्वारा गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज, अंबाला में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, विद्यार्थियों एवं आम जन को फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था, ताकि पराली जलाने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण और मृदा क्षति को रोका जा सके। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक, छात्र-छात्राएं तथा अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे। कॉलेज के प्राचार्य श्री रोहित दत्त ने केवीके टीम का स्वागत करते हुए ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।कार्यक्रम में डॉ. उपासना सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान ने पराली जलाने से मनुष्य, पशुओं एवं मृदा पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि पराली जलाने से निकलने वाला धुआं मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है, जिससे श्वसन संबंधी रोग बढ़ते हैं। साथ ही पशुओं के स्वास्थ्य पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है तथा मृदा की उर्वरता में कमी आती है, और फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ता है।फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के नोडल अधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमार सिंह ने फसल अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन, जैसे कि मल्चिंग, कम्पोस्ट निर्माण, हैप्पी सीडर एवं अन्य कृषि यंत्रों के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया की फसल अवशेषों का सही उपयोग मृदा की उर्वरता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। अत : पराली न जलाकर वैकल्पिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीकों को अपनाएं।उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। विद्यार्थीओ ने ड्राइंग कम्पटीशन में बढ़चढ़ कर भाग लिया और पर्यावरण को बचाने, पराली न जलाने, पौधरोपण , जल संचय इत्यादि पर ड्राइंग बनाकर सजीव प्रस्तुति प्रदान की !कार्यक्रम के अंत में केवीके द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन के प्रचार-प्रसार हेतु बैग, टी-शर्ट एवं कैप आदि का वितरण किया गया।